

स्थिर गंधा स्त्री. (तत्.) 1. केवड़ा, केतकी 2. पाटला, पाढर।

स्थिर चक्र पुं. (तत्.) 1. मंजुघोष/मंजुकी नामक प्रसिद्ध बोधिसत्व का एक नाम।

स्थिर चित्त वि. (तत्.) 1. दृढ़ मन वाला 2. उत्तेजित या क्रोधित न होने वाला, शांत 3. काम-क्रोध आदि से रहित, धीर।

स्थिरचेता वि. (तत्.) दे. स्थिर चित्त।

स्थिर जीवी पुं. (तत्.) 1. कौआ 2. जिसका जीवन बहुत दीर्घ होता है।

स्थिरता स्त्री. (तत्.) 1. स्थिर रहने/होने की अवस्था/स्थिति/भाव/गुण 2. धीरता 3. दृढ़ता, मजबूती 4. निरंतरता, सततता।

स्थिरत्वि पुं. (तत्.) दे. स्थिरता।

स्थिर-दंष्ट्र पुं. (तत्.) 1. साँप, सर्प 2. ध्वनि 3. विष्णु का वाराह अवतार।

स्थिर पत्र पुं. (तत्.) 1. श्रीताल वृक्ष 2. हिंताल वृक्ष।

स्थिर पुष्प पुं. (तत्.) 1. चंपा, चंपक वृक्ष 2. मौलसिरी 3. तिल-पुष्पी।

स्थिर-बुद्धि वि. (तत्.) 1. दृढ़ मन वाला, दृढ़ चित्त वाला 2. जिसकी बुद्धि स्थिर हो, स्थिर बुद्धि वाला 3. शांत, धीर।

स्थिर-मति वि. (तत्.) दे. स्थिर बुद्धि।

स्थिरमना वि. (तत्.) दे. स्थिर चित्त।

स्थिर मूल्य पुं. (तत्.) वस्तु की वह निश्चित कीमत जिसमें कमी-बेशी न हो सकती हो, ऐसी वस्तु का दुकानदार मोल-भाव नहीं करता, नियत कीमत।

स्थिर यौवन वि. (तत्.) (पुरुष) जिसका यौवन/जवानी सदा बनी रहे पुं. विद्याधर।

स्थिर यौवना वि./स्त्री. (तत्.) (स्त्री.) जिसका यौवन/जवानी सदा बनी रहे।

स्थिरश्री स्त्री. (तत्.) दीर्घकाल तक बनी रहने वाली सुंदरता/समृद्धि।

स्थितता स्त्री. (तत्.) स्थित होने की अवस्था, भाव या गुण।

स्थिरा वि./स्त्री. (तत्.) 1. स्थिर/दृढ़ चित्त वाली स्त्री 2. दृढ़प्रतिज्ञा/दृढ़संकल्प स्त्री 3. सदा एक समान रहने वाला 4. पृथ्वी, धरती 5. सेमल।

स्थिरात्मा वि. (तत्.) स्थिरचित्त, दृढ़ चित्त वाला, स्थिर बुद्धि वाला।

स्थिरानुराग वि. (तत्.) जिसका प्रेम (अनुराग) सदैव एक-सा बना रहे।

स्थिरायु वि. (तत्.) 1. चिरजीवी, अधिक आयु वाला 2. अमर।

स्थिरीकरण पुं. (तत्.) 1. स्थिर रहने की क्रिया या भाव, स्थिर करना 2. एक निश्चित स्वरूप या मानक सुनिश्चित करना 3. दृढ़/अडिग बनाना, (चिकित्सा) किसी वस्तु को अचल बनाने की प्रक्रिया जैसे- जोड़ का स्थिरीकरण।

स्थूण पुं. (तत्.) 1. खंभा 2. वृक्ष का ठूँठ/तना/धड़ मात्र 3. लोहे की प्रतिमा, पुतली 4. (लुहार की) निहाई।

स्थूणा स्त्री. (तत्.) दे. स्थूण।

स्थूणाकर्ण पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार की सैनिक व्यूह रचना 2. एक प्रकार का तीर।

स्थूणापक्ष पुं. (तत्.) एक प्रकार की सैनिक व्यूह रचना।

स्थूणीय, स्थूण्य वि. (तत्.) स्तंभ संबंधी।

स्थूल वि. (तत्.) 1. बड़े आकार का, बड़ा 2. जो सूक्ष्म या बहुत छोटा न हो 3. जो गूढ़/जटिल न हो 4. मोटे हिसाब से अनुमानित 4. जिसमें छोटे और बारीक अंगों का विचार न हो 5. जो महीन/बारीक न हो जैसे- स्थूल कपड़ा 6. तुरंत/बिना परिश्रम किए ही समझ में आने वाला 7. वह आय जिसमें से व्यय-लागत आदि को न घटाया गया हो जैसे- स्थूल आय 8. जिसका